

Padma Shri



DR. GURUPRASAD MOHAPATRA (POSTHUMOUS)

Dr. Guruprasad Mohapatra was an IAS officer of 1986 batch (Gujarat Cadre). He was known for his great understanding of administrative issues and his innovative zeal. He is termed as highly efficient and dedicated civil servant. He was always very responsive and constructive.

2. Born on 22nd April, 1962, Dr. Mohapatra completed his MA in Political Science, M. Phil in International Relations from JNU, Ph.D from M.S University, Baroda and MBA from the University of Slovenia.

3. Dr. Mohapatra has held various important positions in the Government of Gujarat and in the Government of India in his 35 years long career. As a Member Administration, Gujarat Electricity Board (GEB), he led comprehensive reforms in the power sector including restructuring of GEB into different commercial entities. As Municipal Commissioner, Surat, he made Surat a model of urban governance with its thrust on solid waste management, quality infrastructure including the state's longest flyover, the state's biggest auditorium, a medical college and a hospital. As Municipal Commissioner, Ahmedabad, he developed iconic projects such as Sabarmati Riverfront, BRTS, Kankaria Lakefront and the SVP Hospital. His heritage conservation efforts subsequently led to the city becoming the first UNESCO World Heritage City of India. As Chairman, Airport Authority of India, he successfully implemented UDAN (Ude Desh ka Aam Nagrik) connecting 3 tier cities.

4. As Secretary, DPIIT, Dr. Mohapatra introduced significant policy initiatives like the Production Linked Incentive (PLI) for boosting domestic manufacturing, launched the Regulatory Compliance Portal leading to reduction of about 25000 compliances, worked for ease of doing business including setting up National Single Window system. International ranking improved from 77 to 63. He further spearheaded transformative initiatives for Startup India leading to the emergence of nearly 25,000 DPIIT recognized startups. He also served as the Chair of an Empowered Group for management of the Covid pandemic which coordinated supplies of PPE kits, ventilators and medical oxygen. He was Secretary, DPIIT, when he succumbed to covid related complications on 19th June 2021. He continued to work through his illness to coordinate oxygen supplies in the country during the devastating second Covid wave.

5. Dr. Mohapatra headed several organizations which got various recognitions including Prime Minister's medal for distribution excellence; the ICWAI National Award in Cost Management, India Power Award; ICC Award for Energy Conservation and National Safety Award by GACL.

6. Dr. Mohapatra passed away on 19th June, 2021.

पद्म श्री



डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र (मरणोपरांत)

डॉ. गुरुप्रसाद महापात्र 1986 बैच (गुजरात कैडर) के आईएएस अधिकारी थे। वह प्रशासनिक मुद्दों की अपनी समझ और अपने अभिनव उत्साह के लिए जाने जाते थे। उन्हें अत्यधिक कुशल और समर्पित सिविल सेवक कहा जाता है। वह हमेशा बहुत संवेदनशील और रचनात्मक रहते थे।

2. 22 अप्रैल, 1962 को जन्मे डॉ. महापात्र ने जेएनयू से, राजनीति विज्ञान में एमए, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एम. फिल, एमएस यूनिवर्सिटी, बड़ौदा से पीएचडी और स्लोवेनिया विश्वविद्यालय से एमबीए पूरा किया।

3. डॉ. महापात्र ने अपने 35 साल के लंबे कैरियर के दौरान गुजरात सरकार और भारत सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। गुजरात विद्युत बोर्ड (जीईबी) के सदस्य प्रशासन के रूप में, उन्होंने विभिन्न वाणिज्यिक संस्थाओं में जीईबी के पुनर्गठन सहित बिजली क्षेत्र में व्यापक सुधारों का नेतृत्व किया। सूरत के नगर आयुक्त के रूप में, उन्होंने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन पर बल देते हुए, राज्य के सबसे लंबे पलाईओवर, राज्य के सबसे बड़े सभागार, एक मेडिकल कॉलेज और एक अस्पताल सहित गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे पर जोर देकर सूरत को शहरी शासन का एक मॉडल बनाया। अहमदाबाद के नगर आयुक्त के रूप में, उन्होंने साबरमती रिवरफ्रंट, बीआरटीएस, कांकरिया लेकफ्रंट और एसवीपी अस्पताल जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाएं तैयार कीं। उनके विरासत संरक्षण संबंधी प्रयासों ने बाद में शहर को भारत का पहला यूनेस्को विश्व धरोहर शहर बना दिया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने त्रि-स्तरीय शहरों को जोड़ने वाली उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) को सफलतापूर्वक लागू किया।

4. डी.पी.आई.आई.टी. के सचिव के रूप में, डॉ. महापात्र ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी महत्वपूर्ण नीतिगत पहल की शुरुआत की, नियामक अनुपालन पोर्टल लॉन्च किया, जिससे लगभग 25000 अनुपालन में कमी आई, राष्ट्रीय स्थापना सहित व्यापार करने में आसानी के लिए काम किया जिसमें राष्ट्रीय सिंगल विंडो सिस्टम शामिल है। अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग सुधारकर 77 से 63 हो गई। उन्होंने स्टार्टअप इंडिया के लिए परिवर्तनकारी पहलों का नेतृत्व किया, जिससे लगभग 25,000 डीपीआईआईटी मान्यताप्राप्त स्टार्टअप अस्तित्व में आए। उन्होंने कोविड महामारी के प्रबंधन के लिए एक अधिकार प्राप्त समूह के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया, जो पीपीई किट, वेंटिलेटर और मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति में समन्वय करता था। वे डीपीआईआईटी के सचिव थे, जब वे 19 जून 2021 को कोविड से संबंधित जटिलताओं के कारण लाचार हो गए थे, तो भी उन्होंने विनाशकारी दूसरी कोविड लहर के दौरान देश में ऑक्सीजन की आपूर्ति में समन्वय के लिए अपनी बीमारी के बावजूद काम करना जारी रखा।

5. डॉ. महापात्र ने कई संगठनों का नेतृत्व किया, जिन्हें वितरण उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री के पदक सहित विभिन्न सम्मान, जैसे कि लागत प्रबंधन में आईसीडब्ल्यूआई राष्ट्रीय पुरस्कार, इंडिया पावर अवार्ड, जीएसीएल द्वारा ऊर्जा संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार के लिए आईसीसी पुरस्कार, प्रदान किया गया।

6. डॉ. महापात्र का 19 जून, 2021 को देहावसान हो गया।